

खबर संक्षेप

ट्रिंक एंड ड्राइव पर 28 हजार का जुर्माना



मैहर। यातायात पुलिस ने 2 अगस्त 2026 की वाहन चैकिंग के दौरान मोटरसाइकिल कमांक एसपी 19 जेडयू 3862 पर तीन सवारियों पाए जाने पर चालक राजू कोल (18), निवासी करमसेरा, थाना अमरपाटन को शराब के नशे में वाहन चलाते पकड़ा। मेडिकल जांच के बाद थारा 185 मोटरयान अधिनियम के तहत प्रकरण न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। न्यायालय ने 3 सितंबर को चालक पर 28 हजार रुपये का जुर्माना लगाया।

आरोपी को मैहर पुलिस ने किया गिरफ्तार

मैहर। अनुपपुर निवासी जिनकी शादी मैहर में हुई थी,मैहर थाने में 498 के मुकदमे के तहत पत्नी ने तलाक दिया और तलाक के बाद न्यायालय के आदेश में जीवन भर मेंटेनेंस दिलवाने की महिला से बात हुई थी,आरोपी पहले तो मेंटेनेंस की पेशी में फरार चल रहा था और जब पुलिस का शिकंजा अपने ऊपर लगता देखा तो उसने फर्जी मेडिकल प्रमाण पत्र बनाकर न्यायालय में पेश किया जांच पर जो फर्जी पाया गया न्यायालय के आदेश पर 420 का भी मुकदमा हुआ कायम आरोपी को गिरफ्तार कर मैहर कोर्ट पेश किया गया।

ग्राम बुढेरुआ-जरियारी मार्ग ग्रामों के नागरिकों से परिवर्तित मार्ग का उपयोग करने की अपील की

मैहर। कलेक्टर श्रीमती बिदिशा मुखर्जी और पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह ने गुरुवार दोपहर मैहर तहसील के ग्राम बुढेरुआ-जरियारी मार्ग पर नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण द्वारा नहर किनारे निर्मित सेतु का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सम्बन्धित विभागों के अधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कलेक्टर श्रीमती मुखर्जी और पुलिस अधीक्षक श्री सिंह ने निरीक्षण के दौरान सुरक्षा की दृष्टि से स्थानीय नागरिकों से चर्चा कर क्षतिग्रस्त सेतु वाले मार्ग का उपयोग ना करने और परिवर्तित मार्ग का उपयोग आवागमन के लिए करने की अपील की। उन्होंने परिवर्तित मार्ग पर आवश्यक रख रखाव करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए। कलेक्टर श्रीमती मुखर्जी ने क्षतिग्रस्त सेतु पर आवश्यक बैरिकेडिंग कर आवागमन बंद करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।कलेक्टर ने सेतु का निरीक्षण कर जांच कमेटी गठित करने के निर्देश दिए और कमेटी की रिपोर्ट प्राप्त होने पर आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया।

मैहर के युवा कांग्रेस नेता को मिली बड़ी जिम्मेदारी

मैहर। कांग्रेस संगठन में युवाओं को नई जिम्मेदारियां देने के क्रम में मैहर के युवा कांग्रेस नेता निखिल उर्मिलिया को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल की ओर से मह्यप्रदेश सेवादल यूथ बिचोड के जिला अध्यक्ष के रूप में निखिल उर्मिलिया की नियुक्ति की गई है।

वैश्य महासम्मेलन का प्रतिभा सम्मान समारोह 6 को

सतना। वैश्य महासम्मेलन द्वारा रीवा संभाग के रीवा,सतना एवं मैहर जिलों के प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं एवं युवाओं को सम्मानित करने के उद्देश्य से प्रतिभा सम्मान समारोह 2026 का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह समारोह आगामी 6 सितंबर 2026,रविवार को प्रातः 11:30 बजे आयोजित होगा। कार्यक्रम का आयोजन श्री साईन मैरिज गार्डन,सिंधु स्कूल के बंगल में,सतना में किया जाएगा। समारोह में समाज के उन मेधावी छात्र-छात्राओं एवं प्रतिभाशाली युवाओं को सम्मानित किया जाएगा,जिन्होंने शिक्षा एवं विभिन्न प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट सफलता प्राप्त कर समाज का गौरव बढ़ाया है।

आयुष्मान कार्ड बनाने 5 और 7 सितंबर को विशेष कैंप

सतना। मह्य प्रदेश भवन एवं अन्य संविर्माण कर्मकार मंडल के अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों और उनके परिवर्जनों के लिए 5 और 7 सितंबर 2026 को सोजनीवा अस्पताल पतेरी (सतना) में विशेष आयुष्मान कार्ड कैंप आयोजित किया जाएगा।

तिरुपति यात्रा के लिए 23 सितंबर तक करें आवेदन

सतना। वरिष्ठ नागरिकों को तिरुपति-श्रीकालहस्ती की तीर्थ यात्रा 12 से 18 अक्टूबर के बीच कराई जाएगी। 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के पात्र नागरिक 23 सितंबर 2026 तक अपने निकटतम तहसील या जनपद कार्यालय में आवेदन जमा कर सकते हैं।

चित्रकूट में बाढ़ के बाद युद्ध स्तर पर राहत और पुनर्वास कार्य जारी

प्रशासन और सामाजिक संस्थाएं मदद में जुटीं



कलेक्टर और एसपी ने संभाली कमान,घर-घर जाकर देखा नुकसान; 2700 से अधिक लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण,भोजन व त्रिपाल का वितरण जारी

सतना/चित्रकूट। चित्रकूट क्षेत्र में मंदाकिनी नदी का जलस्तर घटने के साथ ही प्रशासनिक अमले ने राहत,सफाई और पुनर्वास कार्यों में पूरी ताकत झोंक दी है।रीवा संभाग आयुक्त और सतना जिला प्रशासन के निर्देशन में स्थिति को तेजी से सामान्य बनाया जा रहा है। गुरुवार को कलेक्टर डॉ.सतीश कुमार एस और पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह ने सुबह से ही बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का सघन भ्रमण कर नुकसानी का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

सफाई और सैनिताइजेशन युद्ध स्तर पर

मुख्य सड़कों की सफाई के बाद अब नगर की गलियों से मशीनों के जरिए मलबा और कीचड़ हटाया जा रहा है। संक्रमण व बीमारियों को रोकने के लिए ब्लोचिंग पाउडर और कीटनाशकों का छिड़काव किया जा रहा है। जलजनित बीमारियों से बचाव के लिए 93 हैंडपंपों में जर्मेक्स दवा डाली गई है। इसके अलावा सतना-चित्रकूट मार्ग पर पिंडरा नदी का जलस्तर घटने के बाद क्षतिग्रस्त पुल का रेस्टोरेशन कर मार्ग को 'वन-वे' बहाल कर दिया गया है।

राहत सामग्री और भोजन वितरण

नगर परिषद द्वारा दीनदयाल रसोई में नाश्ता व भोजन तैयार कर वितरित कराया जा रहा है,जिसकी कमान स्वयं एसडीएम महिपाल सिंह गुजर ने संभाली। भोजन निर्माण की गुणवत्ता (फूड सेफ्टी ऑफिसर) की निगरानी में जांची जा रही है। लोशन टिकुरा,ग्राम बटोही और चंदई सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्रभावितों को त्रिपाल,वस्त्र,राशन व घरेलू सामग्री बांटी गई।

रगौली में बाढ़ पीड़ितों के बीच पहुंचे तीर्थवानी, बांटा राहत सामान; बोले-संकट में साथ खड़े होना ही सच्ची सेवा



सतना। विंध्य विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष संजय तीर्थवानी के सेवा कार्य का सिलसिला लगातार जारी है।चित्रकूट में लगातार चार दिनों तक बाढ़

पीड़ितों की मदद करने के बाद,अभियान के पांचवें दिन वे सतना विधानसभा क्षेत्र के ग्राम रगौली पहुंचे। यहाँ उन्होंने आपदा प्रभावित परिवारों से मुलाकात की

और उनकी तात्कालिक जरूरतों को समझते हुए राहत सामग्री का वितरण किया।रगौली में बाढ़ की वजह से मुश्किलों का सामना कर रहे परिवारों को आवश्यक खाद्य

मैहर मल्हार संगीत संध्या में कलाकारों ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां



मैहर। मैहर मल्हार संगीत संध्या अंतर्गत मैहर घराने की समृद्ध संगीत परंपरा को समर्पित मासिक संगीत सभा का आयोजन बुधवार शाम संगीत महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में किया गया। कार्यक्रम में कलाकारों

ने शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मासिक संगीत सभा का शुभारंभ कलेक्टर श्रीमती बिदिशा मुखर्जी ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम

में पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह,सत्यभान पटेल सहित जिला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में संगीतप्रेमी एवं दर्शक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की पहली प्रस्तुति सुश्री सुहानी त्रिपाठी एवं सुश्री मोहिनी बर्मन द्वारा कथक नृत्य युगल के रूप में दी गई।दोनों कलाकारों की भावपूर्ण एवं लयबद्ध प्रस्तुति ने दर्शकों की खूब सराहना बटोरी। इसके पश्चात सुश्री शिवांगी मिश्रा ने शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति दी। उनकी सुमधुर गायकी ने ऑडिटोरियम को शास्त्रीय संगीत की सुरलहरियों से गुंजायमान कर दिया।कार्यक्रम की तीसरी प्रस्तुति में ऋषभ त्रिपाठी,आशुतोष सिंह एवं शिवेश पाण्डेय ने तबला तिगल बंदी प्रस्तुत की। कलाकारों की शानदार जुगलबंदी और ताल की विविधता ने दर्शकों को विशेष रूप से आकर्षित किया। मासिक संगीत सभा के माध्यम से मैहर घराने की गौरवशाली संगीत परंपरा को निरंतर आगे बढ़ाने तथा नई पीढ़ी को भारतीय शास्त्रीय संगीत एवं नृत्य से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

चित्रकूट बाढ़ आपदा राहत में सतना सीमेंट ने बढ़ाया सहयोग का हाथ

जिला प्रशासन को CSR मद से राहत सामग्री उपलब्ध कराई

बिरला कॉर्पोरेशन लिमिटेड,यूनिट सतना सीमेंट वर्क्स द्वारा चित्रकूट बाढ़ आपदा से प्रभावित लोगों की सहायता एवं राहत कार्यों के लिए जिला प्रशासन को आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई गई। कंपनी द्वारा 100 नग फावड़े,100 नग बेलचे,400 पैकेट खाद्य सामग्री,100 नग कंबल एवं 360

उद्योग संघ व कलेक्ट्रेट कर्मचारियों का सहयोग

सतना जिला उद्योग संघ ने 100 तगाड़ी,25 फावड़े,100 रैनकोट व खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई। वहीं, कलेक्ट्रेट के लिपिक वर्ग ने 500 पैकेट नाश्ता व 500 पैकेट गृहस्थी सामग्री बनाकर भेजी। बिरला कॉर्पोरेशन द्वारा भेजी गई राहत सामग्री कामता गोदाम में सुरक्षित रखवाई गई है।

विद्युत आपूर्ति बहाली का काम जारी

विद्युत विभाग ने बाढ़ से प्रभावित 1275 उपभोक्ताओं में से 520 की बिजली आपूर्ति बहाल कर दी है। कुल 19 क्षतिग्रस्त डीटीआर में से 7 चालू कर दिए गए हैं,जबकि शेष 12 डीटीआर पर लगातार बारिश और जलभराव के बावजूद कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। सती अनुसुइया 11केवी लाइन का रेस्टोरेशन भी प्रगति पर है।

सती अनुसुइया आश्रम में सतर्कता

सती अनुसुइया क्षेत्र में भूस्खलन की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए साधु-संतों व आम लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है तथा श्रद्धालुओं से उस ओर न जाने की अपील की है।

स्वास्थ्य जांच शिविरों में 2753 लोगों का उपचार

बाढ़ के बाद बीमारियों को रोकने के लिए चलित मेडिकल टीमों द्वारा



लगातार हेल्थ कैंप लगाए जा रहे हैं। अब तक 487 परिवारों के 2753 व्यक्तिों की जांच कर दवाइयां बांटी गईं। ग्राम लोसर में घर-घर सर्वे कर दवाई दी जा रही है।

सतना में अब तक 1242.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज

सतना जिले में 1 जून से 3 सितंबर तक 1242.4 मिमी औसत बारिश दर्ज की जा चुकी है,जो सामान्य वर्षा (891.7 मिमी) से काफी अधिक है। बरौंथा (मझगवां) तहसील में सर्वाधिक 1541.8 मिमी वर्षा दर्ज हुई है।

भरी बरसात में सात फीट लंबे सर्प का रेस्क्यू, वार्डवासियों ने ली राहत की सांस

मैहर। वार्ड नंबर 14 स्थित एक टैंक में करीब सात फीट लंबा सर्प गिर जाने से आसपास के लोगों में दहशत का माहौल बन गया। बीच बस्ती में स्थित टैंक में पानी भरने के कारण सर्प के कभी भी बाहर निकलने की आशंका को देखते हुए स्थानीय लोगों ने तत्काल वन विभाग की सूचना दी। सूचना मिलने पर वन विभाग के रेंजर शुभम खरे को मामले से अवगत कराया गया। रेंजर खरे के निर्देश पर सर्प मित्र कुलदीप तिवारी मौके पर पहुंचे और भरी बरसात के बीच सावधानीपूर्वक रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद सर्प मित्र कुलदीप तिवारी ने करीब सात फीट लंबे सर्प



को सुरक्षित बाहर निकालकर रेस्क्यू किया।सर्प के सुरक्षित रेस्क्यू के बाद वार्डवासियों ने राहत की सांस ली। स्थानीय लोगों ने समय पर कार्रवाई

करने के लिए वन विभाग के रेंजर शुभम खरे एवं सर्प मित्र कुलदीप तिवारी का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद दिया।

जन्माष्टमी को लेकर बड़ी रौनक, बारिश के बावजूद सतना में गूंजेंगे सोहर और भजन



सतना। भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर मनाए जाने वाले श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व को लेकर शहर से लेकर गांवों तक उत्साह का माहौल है। इस वर्ष जिले में तेज बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था में कोई कमी नहीं आई है। मंदिरों को आकर्षक लाइटों व फूलों से सजाया जा रहा है,वहीं बाजारों में लहू गोपाल की प्रतिमाएं,झूले,श्रंगार सामग्री और मोरपंख खरीदने के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ रही है।



सांस्कृतिक आयोजनों की रहेगी धूम

जन्माष्टमी के अवसर पर क्षेत्रभर में भजन संध्या,सुंदरकांड पाठ,श्रीरामचरितमानस गायन और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। श्रद्धालु दिनभर व्रत रखकर पूजा-अर्चना करेंगे और आधी रात 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के बाद अपना व्रत खोलेंगे।

मनेगा जन्मोत्सव

शहर के चौक बाजार स्थित प्रसिद्ध सत्यनारायण मंदिर में शुक्रवार, 4 सितंबर 2026

को जन्माष्टमी महोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया जाएगा।विशेष आकर्षण: भगवान का भव्य श्रंगार और मंडली द्वारा प्रस्तुत सुंदरकांड व भजनों की प्रस्तुति। महाआरती व प्रसाद: महंत सुशील कुमार पांडे द्वारा रात्रि 12 बजे महाआरती के बाद प्रसाद का वितरण किया जाएगा। सजावट व व्यवस्था: मंदिर परिसर को रंग-बिरंगी लाइटों और प्राकृतिक फूलों से सजाया गया है। आयोजन को सफल बनाने में पुरुषोत्तम अग्रवाल,सचिन तिवारी,हर्षित अग्रवाल,सुरेश पांडे और शुभदीप पांडे सहित अन्य पदाधिकारी जुटे हैं।

नग पानी की बोतलें CSR मद के अंतर्गत प्रदान की गईं। राहत सामग्री अपर कलेक्टर विकास सिंह ने प्राप्त की। इस अवसर पर सतना सीमेंट की ओर से एडमिन हेड राघवेंद्र सिंह एवं एडमिन विभाग से श्रीकांत द्विवेदी उपस्थित रहे।
पूर्व में भी किया गया था सहयोग- उल्लेखनीय है कि बाढ़ प्रभावित लोगों की सहायता के लिए कंपनी द्वारा पूर्व में भी 100 नग फावड़े, 100 नग तगाड़ी, 10 किलो राशन के 200 पैकेट एवं 10 नग तिरपाल जिला प्रशासन को प्रदान किए जा चुके हैं। सतना सीमेंट वर्क्स द्वारा आपदा की इस घड़ी में जिला प्रशासन के साथ सहयोग करते हुए प्रभावित लोगों तक आवश्यक राहत सामग्री पहुंचाने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है।



धर्म सागर तालाब के बाद किलकिला नदी भी उफान पर

यूनियन बैंक के अंदर तक पहुंचा बाढ़ का पानी, कई इलाकों में जलभराव; जिले की नदियां उफान पर

पन्ना। लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने पन्ना शहर की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। रातभर हुई तेज बारिश के बाद ऐतिहासिक धर्म सागर तालाब लबालब हो गया और बेस्ट वियर से निकला पानी तेज बहाव के साथ शहर के निचले इलाकों में पहुंच गया।

हालात इतने बिगड़ गए कि यूनियन बैंक के अंदर तक बाढ़ का पानी घुस गया, जिसके चलते

बैंक को बंद रखना पड़ा। आसपास स्थित कई दुकानों और भवनों के ग्राउंड फ्लोर भी जलमग्न हो गए हैं। इधर पन्ना नगर की किलकिला नदी भी उफान पर आ गई है। नदी का जलस्तर बढ़ने से शहर के कई क्षेत्रों में पानी भर गया है। जलभराव के बीच कुछ लोगों के फंसे होने की भी जानकारी सामने आई है। लगातार बढ़ते पानी और जारी बारिश के कारण लोगों में दहशत का माहौल है। प्रशासन और राहत-बचाव दलों के सामने अब प्रभावित क्षेत्रों में लोगों की सुरक्षा सबसे बड़ी चुनौती बन गई है।

जिले की कई नदियां उफान पर, बढ़ा बाढ़ का खतरा

लगातार बारिश के कारण पन्ना जिले की कई नदियां और नदी-नाले उफान पर चल रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भी कई स्थानों पर पानी भरने की सूचनाएं सामने आ रही हैं। शहर के अनेक मोहल्लों में जलभराव के कारण आवागमन प्रभावित है। बारिश का सिलसिला अभी भी जारी है, जिससे आने वाले घंटों में हालात और बिगड़ने की आशंका बनी हुई है। लगातार बारिश ने लोगों का सामान्य जनजीवन

पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। निचले इलाकों में रहने वाले लोगों की चिंता बढ़ गई है। वहीं पुराने और जर्जर मकानों में सीलन आने के साथ ही छतों और दीवारों से पानी टपकने लगा है। इससे लोगों को घरों के अंदर भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और मकानों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ गई है।

दो सप्ताह से बारिश का कहर, 2005 की बाढ़ की यादें ताजा

पन्ना जिले में करीब दो सप्ताह से लगातार बारिश का दौर जारी है। वर्तमान हालात ने वर्ष 2005 की भीषण बाढ़ की भयावह

यादें ताजा कर दी हैं। उस दौरान जिले के कई गांव बाढ़ की चपेट में आ गए थे और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर विस्थापित करना पड़ा था। राहत सामग्री और दवाइयां हेलीकॉप्टर के माध्यम से प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचाई गई थीं। प्रशासन के साथ सामाजिक संगठनों और आम लोगों ने भी राहत एवं बचाव कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस बार भी जिस तरह मगर लबालब, किलकिला नदी उफान पर और जिले की कई नदियां तेज बहाव में हैं, उससे पन्ना में बाढ़ का खतरा लगातार बढ़ता दिखाई दे रहा है। बारिश थमने का नाम नहीं ले रही है। ऐसे में शहवासियों की नजर अब प्रशासन की राहत-बचाव तैयारियों और आने वाले घंटों में बारिश के रुख पर टिकी हुई है।

बढ़े बस किराए के खिलाफ एन.एस.यू.आई. का हल्लाबोल, कलेक्ट्रेट में गुंजी छात्रों के हक की आवाज, छात्रों का किराया आधा करने की मांग

पन्ना। बसों के मनमाने ढंग से बढ़ाए गए किराए के खिलाफ छैन-पन्ना ने कलेक्ट्रेट में जोरदार प्रदर्शन कर प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने सरकार और परिवहन व्यवस्था के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए दो ट्रक कहा कि छात्रों की जेब पर बढ़ा किराए का बोझ किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। छैन जिला अध्यक्ष आकाश जाटव ने कहा कि एक तरफ सरकार विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा के सपने दिखाती है, वहीं दूसरी ओर रोज कॉलेज पहुंचने के लिए मजबूर छात्रों की जेब पर अतिरिक्त बोझ डाला जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों के छात्र-छात्राएं पहले ही लंबी दूरी तय कर पढ़ाई करने पहुंचते हैं, ऐसे में किराया बढ़ाना उनके साथ अन्याय है। छैन ने मांग की कि बढ़ा हुआ बस किराया तत्काल वापस लिया जाए, छात्रों का किराया आधा किया जाए और जिले के सभी शासकीय महाविद्यालयों के लिए विशेष बसों का संचालन किया जाए। आकाश जाटव ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि छात्रों की मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया, तो छैन आंदोलन को और उग्र और पूरे प्रदेश में आंदोलन करने के लिए



मजबूर होगी। छात्रों के अधिकारों की लड़ाई सड़क से लेकर सदन के दरवाजे तक लगातार जारी रहेगी। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अनीस खान, युवक कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव शदब खान, राजबहादुर पटेल, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती रमा बुंदेला,

शशिकांत दीक्षित, आनंद शुक्ला, विक्की मार्टंड देव बुंदेला, नृपेंद्र सिंह परिहार, दीपक तिवारी, नगर कांग्रेस अध्यक्ष स्वर्तंत्र प्रभाकर अवस्थी, श्रीमती आस्था तिवारी, अंकित शर्मा, श्रीमती प्रीति बागरी, श्रीमती विमला सिंगरौल, अक्षय तिवारी, भूपेंद्र सिंह, छैन कॉलेज अध्यक्ष सचिन वर्मा, राजबहादुर द्विवेदी, शिवप्रकाश दीक्षित, वासुदेव बुंदेला लाल साहब, प्रबल नारायण चतुर्वेदी, रवि यादव, विकास तिवारी, राजाजी बुंदेला, कादिर खान, ब्रिजेन्द्र दुबे, सुरेंद्र सिंह, संदीप द्विवेदी, रामकरण पांडेय, रियासत खान, अतुल दहायत, राजेश द्विवेदी, वेदांत मिश्रा, नरेंद्र विश्वकर्मा, सत्यम उपाध्याय, हिमांशु गोस्वामी, रोशन कोरी, अतुल पटेल, कृष, अनुज, अजय, अनुज श्रीवास, लव परमार, सहित छात्राएं उर्मिला सिंह, रोशनी अहिरवार, विद्या अहिरवार, प्रियंका प्रजापति, गंगा आदिवासी, राधा अहिरवार, सुमन अहिरवार, सीता ठाकुर, शिवानी सिंह ऊषा अहिरवार रजनी, अंकिता अयान खान राजेश, भूपेंद्र अनिल सहित काफी संख्या में छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

बाढ़ के खतरे के बीच अमानगंज पहुंची पन्ना कलेक्टर ऊषा परमार, मिढासन नदी के बढ़ते जलस्तर का लिया जायजा; जिलेवासियों से सतर्क रहने की अपील



करने के निर्देश दिए। इस दौरान स्थानीय प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। कलेक्टर ऊषा परमार ने जिलेवासियों से अपील की कि बारिश के दौरान नदी-नालों, पुल-पुलियों और तेज बहाव वाले पानी के नजदीक न जाएं। उपनतते पुलों को पार करने का प्रयास न करें और प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करें। लगातार बारिश को देखते हुए प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

अमानगंज। पन्ना जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के बीच नदी-नालों के उफान और बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। इसी बीच पन्ना कलेक्टर श्रीमती ऊषा परमार अमानगंज पहुंचीं और क्षेत्र में बने बाढ़ के हालात का मौके पर जायजा लिया। उन्होंने मिढासन नदी के बढ़ते जलस्तर और तेज बहाव की स्थिति की जानकारी लेते हुए अधिकारियों से सुरक्षा व्यवस्थाओं पर चर्चा की। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने और किसी भी आपात स्थिति में तत्काल राहत एवं बचाव की कार्यवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान स्थानीय प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। कलेक्टर ऊषा परमार ने जिलेवासियों से अपील की कि बारिश के दौरान नदी-नालों, पुल-पुलियों और तेज बहाव वाले पानी के नजदीक न जाएं। उपनतते पुलों को पार करने का प्रयास न करें और प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन करें। लगातार बारिश को देखते हुए प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

मिढासन नदी का बढ़ता जलस्तर बना चिंता का कारण

अमानगंज के वार्ड 3-4 समेत नदी घाट के मकान खाली करने प्रशासन की अपील, थाना प्रभारी ने सुरक्षित स्थान पर जाने को कहा



अमानगंज। लगातार बढ़ रहे मिढासन नदी के जलस्तर को देखते हुए प्रशासन ने अमानगंज के वार्ड नंबर 3 और 4 सहित मिढासन नदी घाट के आसपास बने मकानों में रहने वाले लोगों से मकान खाली कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने की अपील

की है। नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से प्रशासन और पुलिस पूरी तरह अलर्ट है। थाना प्रभारी हेमंत नायक ने नदी किनारे और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से अपील करते हुए कहा कि किसी भी तरह का जोखिम न लें और तत्काल सुरक्षित

स्थान पर पहुंचें। प्रशासन की टीम लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है। नदी का बढ़ता जलस्तर लोगों के लिए चिंता का कारण बना हुआ है, वहीं पुलिस द्वारा लोगों को नदी और घाट के आसपास जाने से भी रोका जा रहा है।

ककरहटा पुल डूबा, गुनौर का जिला मुख्यालय से संपर्क टूटा, घरों में घुसा बाढ़ का पानी

गुनौर। जिले में पिछले 48 घंटों से जारी मूसलाधार बारिश ने भारी तबाही मचाई है। नदी-नालों के उफान पर आने से समूचे क्षेत्र में बाढ़ जैसे हालात निर्मित हो गए हैं। सबसे गंभीर स्थिति गुनौर क्षेत्र में देखने को मिल रही है, जहाँ ककरहटा पुल पूरी तरह जलमग्न हो चुका है। पुल के ऊपर कई फीट पानी बहने के कारण गुनौर का पन्ना जिला मुख्यालय से संपर्क पूरी तरह से टूट गया है। मार्ग अवरुद्ध होने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं और आवागमन पूरी तरह ठप है।

निचले इलाकों में घुसा पानी, ग्रामीणों में दहशत

ककरहटा पुल के जलमग्न होने



से बाढ़ का पानी अब आसपास की बस्तियों और निचले इलाकों में स्थित घरों में तेजी से घुसने लगा है। अचानक हुए इस जलभराव के कारण ग्रामीणों में दहशत और अफरा-तफरी का माहौल है। लोग अपने जरूरी घरेलू सामान, राशन और मवेशियों को बचाने की जद्दोजहद में जुटे हुए हैं। कई परिवारों को सुरक्षित और ऊंचे



आ गया है। संवेदनशील और जलभराव वाले क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी गई है। स्थानीय होमगार्ड और राहत-बचाव दलों को किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं। प्रभावित ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों व अस्थाई राहत शिविरों में शिफ्ट करने की रूपरेखा तैयार की जा रही है।

नदी-नाले पार न करने की अपील

प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे उफनते नदी-नालों, रफ्टों या जलमग्न पुलों को पार करने का जोखिम मतई न उठाएं। आपातकालीन स्थिति में तुरंत स्थानीय नियंत्रण तक्ष या आपातकालीन हेलपलाइन नंबर 1079 (राज्य आपदा नियंत्रण केंद्र) अथवा 112 (पुलिस) पर संपर्क करें।

हल्की बूढ़ाबांदी में घंटों रहती है बिजली गुल, ग्रामीण परेशान



गुनौर। तहसील अंतर्गत मुड़वारी ग्राम में बिजली की आंख मिचोली का खेल सुधर नहीं पा रहा है जब इस संबंध में बिजली विभाग के कर्मचारियों से बात की गई तो बोले क्या करें हल्की बारिश में ही लाइट फाल्ट हो जाती है ऊपर से सामान ही

सही नहीं दिया जा रहा इसलिए जल्दी खराब हो जाता है, बारिश के मौसम में मच्छर जनित बीमारियों का प्रकोप दिनों दिन बढ़ रहा है साथ ही अंधेरे में कीड़े मकोड़े के काटने का डर भी लोगों को सता रहा है। परीक्षाएं नजदीक आ रही है लाइट के

आने जाने से छात्र-छात्राओं की पढ़ाई भी सही तरीके से नहीं हो पा रही। गुरुवार को भी सुबह 5रू00 से शाम 5रू00 बजे तक बिजली गुल रहने से लोगों को भारी कठिनाई का सामना करना पड़ा, सही तरीके से बिजली न रहने के कारण नल जल योजना का लाभ भी लोगों को नहीं मिल पा रहा, बिजली से संबंधित और अधिक जानकारी के लिए जब कनिष्क अभियंता पवई राहुल चौरसिया से जानकारी चाही गई, तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर पन्ना से उक्त समस्या से निजात दिलाए जाने की मांग की है।

लापरवाही की मार, नगर परिषद गुनौर के वार्ड नंबर 10 में निकासी ठप, इतवारी बाजार के घरों में घुसा बारिश का पानी

गुनौर नगर परिषद गुनौर के वार्ड नंबर 10 स्थित इतवारी बाजार में जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने के चलते स्थानीय रहवासियों को भारी जलभराव की समस्या से जूझना पड़ रहा है। बारिश होते ही पूरा इतवारी बाजार परिसर और आसपास के इलाके तालाब में तब्दील हो गए हैं, जिससे गंदा पानी लोगों के घरों और दुकानों में घुस गया है।

”जलमग्न हुआ इतवारी बाजार परिसर”

इतवारी बाजार क्षेत्र में पानी निकासी के लिए नालियों की नियमित सफाई और उचित ढलान न होने से बारिश का पानी तेजी से जमा हो गया। बाजार परिसर में बने चबूतरे और रास्ते पूरी तरह पानी में डूब चुके हैं। बस्तियों के निचले हिस्से में बने मकानों की दहलीज तक कई फीट गंदा पानी भर जाने से गृहस्थी का सामान भी भीग गया है।

”घरों में कैद हुए लोग, बीमारियों का बढ़ा खतरा”

चारों तरफ पानी भरने के कारण रहवासियों का घर से बाहर निकलना दूभर हो गया है। बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थिर गंदे पानी के

कारण क्षेत्र में संक्रामक बीमारियों और मच्छरों के पनपने का खतरा भी गहरा गया है।

”प्रशासनिक अनदेखी से स्थानीय लोगों में रोष”

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि बारिश से पहले नालियों और जल निकासी मार्गों की समुचित सफाई नहीं कराई गई। हर साल बारिश के मौसम में यही स्थिति बनती है, लेकिन नगर परिषद प्रशासन द्वारा कोई ठोस व स्थायी समाधान नहीं निकाला जाता। वार्डवासियों ने नगर परिषद प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि तत्काल पंप लगाकर भरे हुए पानी को बाहर निकाला जाए और क्षेत्र में पानी निकासी के लिए पक्के नाले-नालियों का निर्माण कराया जाए ताकि भविष्य में इस समस्या से राहत मिल सके।



हिनौती बेली में किसान भाइयों ने मनाई भगवान बलराम जयंती, भाजपा किसान जिला अध्यक्ष प्रदीप अवस्थी ने किसान चौपाल में सुनी समस्याएं



अमानगंज। गुनौर विधानसभा क्षेत्र के महेबा मंडल अंतर्गत ग्राम पंचायत हिनौती बेली स्थित पंचमुखी भगवान भोलेनाथ मंदिर धर्मशाला में आज किसान भाइयों के साथ भगवान बलराम जी की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में उपस्थित किसान भाइयों ने भगवान बलराम जी के चित्र पर

रोली लगाकर माल्यार्पण किया और उनका स्मरण किया। इसके पश्चात किसान चौपाल का आयोजन किया गया, जिसमें किसानों की विभिन्न समस्याओं को सुना गया तथा केंद्र एवं मध्य प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के हित में संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई। इस दौरान किसान भाइयों ने मध्य प्रदेश की

न्यायालय नायब तहसीलदार वृत्त द्वारी तहसील अमानगंज जिला पन्ना (म.प्र.)
रा.प्र.ऊ.-0003/अ-20 (3)/2026-27
अमानगंज, दिनांक 20/08/2026

उद्घोषणा
आवेदक सहित क्षेत्रपाल कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग खण्ड पन्ना द्वारा ग्राम रामपुर तहसील अमानगंज जिला पन्ना म.प्र. की शासकीय भू-खसरा नंबर 966 के रकबा क्रमशः 70.8900 है. के जुज रकबा 30.00 है. भूमि पाई व्यापरा समूह जल प्रदाय योजनागत वन विभाग को वन भूमि के बदले वैकल्पिक गैर वन भूमि आवंटित किये जाने हेतु आवेदन पत्र मध्यप्रदेश नजूल भूमि निर्वहन नियम-2020 के तहत प्रारूप -1 में आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय पन्ना के न्यायालय में प्रस्तुत किया था। जो कलेक्टर महोदय पन्ना से इस न्यायालय को जांच एवं प्रतिवेदन हेतु प्राप्त हुआ है। जो जांच प्रतिवेदन हेतु विचारधीन है।
अतः उक्त आवेदन की विषय वस्तु संबंधित यदि किसी आपमन / खासजनों एवं ग्रामवासियों को कोई आपति व उजर हो तो वह नियत दिनांक 04/09/2026 को या इसके पूर्व स्वयं या अपने वैध अधिकारों के माध्यम से अवोहस्तासरी के न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है। बाद म्याद प्राप्त आपति मान्य नहीं की जावेगी।
यह उद्घोषणा आज दिनांक 20/08/2026 को मेरे हस्ताक्षर व पद पत्र से जारी।

सील

नायब तहसीलदार वृत्त द्वारी तहसील अमानगंज जिला पन्ना (म.प्र.)



खबर संक्षेप

भ्रष्टाचार के मामले में दोषसिद्ध पटवारी को सेवा से पदच्युत करने के निर्देश

कलेक्टर मृणाल मीणा ने एसडीएम लवकुशनगर को शासन नियमानुसार तत्काल कार्रवाई के दिए निर्देश

छतरपुर। कलेक्टर मृणाल मीणा ने भ्रष्टाचार के मामले में दोषसिद्ध पटवारी राम प्रसाद पटेल के विरुद्ध शासन नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। राम प्रसाद पटेल तत्कालीन पटवारी बिजावर एवं वर्तमान में तहसील चंदला, जिला छतरपुर में पदस्थ हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अपराध क्रमांक 159/2018 में माननीय न्यायालय विशेष न्यायाधीश, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, जिला छतरपुर द्वारा पटवारी राम प्रसाद पटेल को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के तहत दोषसिद्ध किया गया है। न्यायालय द्वारा उन्हें तीन वर्ष के सश्रम कारावास एवं 25 हजार रुपये के अर्थदंड से तथा धारा 131(1)(डी) सहपठित धारा 132(2) के तहत चार वर्ष के सश्रम कारावास एवं 25 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया गया है।

कलेक्टर ने इस प्रकरण में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), अनुभागा लवकुशनगर को निर्देशित किया है कि संबंधित पटवारी को शासन के नियमानुसार तत्काल शासकीय सेवा से पदच्युत करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही की गई कार्रवाई से लोकप्रयुक्त कार्यालय एवं कलेक्टर कार्यालय को अवगत कराने के निर्देश दिए गए हैं।

नृत्य की भाव-भंगिमाओं और भवित संगीत से जीवंत होगी कृष्ण कथा

संस्कृति विभाग की ओर से सम्पूर्ण प्रदेश में आयोजित किया जा रहा 'श्रीकृष्ण पर्व

छतरपुर। श्रीकृष्ण की कथा केवल धर्म और आस्था की कथा नहीं, बल्कि भारतीय कला, संगीत और लोकजीवन की भी समृद्ध विरासत है। इसी विरासत को कलात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाने के लिए श्रीकृष्ण पाथेय न्याय, मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन, छतरपुर के सहयोग से 'श्रीकृष्ण पर्व' का आयोजन 4 सितम्बर, 2026 को श्री द्वारकाधीश मंदिर के सामने, गल्ला मंडी प्रांगण, नगर परिषद परिसर के पास, बिजावर (छतरपुर) में किया जाएगा। कार्यक्रम में सुश्री अनुष्का जोशी एवं साथी, देवास द्वारा श्रीकृष्ण-केंद्रित नृत्य नाटिका प्रस्तुत की जाएगी। वहीं, श्री मनीष कुमार चौधरी एवं साथी, कटनी भक्ति गायन से वातावरण को कृष्णमय बनाएंगे। नृत्य की सजीव भाव-भंगिमाओं और भक्ति संगीत के सुरों के बीच कृष्ण कथा का यह प्रस्तुतिकरण दर्शकों के लिए मनोरंजन के साथ भारतीय सांस्कृतिक परंपरा से जुड़ने का अवसर भी होगा। कार्यक्रम में प्रवेश नि:शुल्क रहेगा।

जन समस्या निवारण शिविर में पहुंचे कलेक्टर अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश



नौगांव। नौगांव में आयोजित जन समस्या निवारण शिविर में कलेक्टर मृणाल मीणा पहुंचे। इस दौरान महाराजपुर विधायक कामाख्या प्रताप सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष अनूप तिवारी, जिला पंचायत सीईओ, एडीएम, एसडीएम नौगांव, तहसीलबार, जनपद सीईओ सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्टर मृणाल मीणा ने गुरुवार सुबह ग्राम पंचायत मऊसानिया स्थित आननबाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके बाद उन्होंने बुंदेलखंड नौशाला का निरीक्षण किया और परिसर में वृक्षारोपण भी किया। कलेक्टर ने बलभद्र पुस्तकालय पहुंचकर वहां उपलब्ध

सुविधाओं और व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

इसके बाद कलेक्टर नौगांव सिविल अस्पताल पहुंचे, जहां उन्होंने अस्पताल की विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने व्यवस्थाओं में सुधार और मरीजों को किसी

प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए अधिकारियों को गंभीरता से कार्य करने को कहा।

शिविर में पहुंचे ग्रामीणी और नगरवासी

निरीक्षण के बाद कलेक्टर जन समस्या निवारण शिविर में पहुंचे। शिविर में ग्रामीणों और नगरवासियों ने विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं। इस दौरान पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने के साथ ही विभिन्न प्रमाण पत्रों का वितरण भी किया गया।

कलेक्टर के अचानक छतरपुर जाने से मायूस हुए फरियादी

जन समस्या निवारण शिविर में कलेक्टर से सीधे मुलाकात कर अपनी समस्याओं का निराकरण कराने की उम्मीद लेकर पहुंचे कई फरियादियों को उस समय मायूसी हाथ लगी, जब कलेक्टर को अचानक आवश्यक कार्य के चलते छतरपुर रवाना होना पड़ा। कलेक्टर से मुलाकात की उम्मीद लेकर आए कुछ फरियादी अपनी समस्याएं लेकर ही वापस लौट गए।

फरियादियों का कहना था कि वे काफी उम्मीद के साथ शिविर में पहुंचे थे और कलेक्टर के सामने अपनी समस्या रखना चाहते थे, लेकिन उनके अचानक चले जाने के कारण उन्हें मुलाकात का अवसर नहीं मिल सका और मौके पर समस्या का निराकरण भी नहीं हो पाया।

खराब मौसम का भी दिखा असर

वहीं, खराब मौसम के कारण जन समस्या निवारण शिविर में अपेक्षा के अनुरूप लोगों की मौजूदगी नहीं रही। हालांकि शिविर में मौजूद अधिकारियों ने ग्रामीणों और नगरवासियों की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित विभागों को उनके निराकरण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

तीन दिवसीय शिविर में बागेश्वर महाराज ने देश भर के साधकों को दिया जीवन का दर्शन



शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि जल्द ही बागेश्वर धाम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी तकनीक का उपयोग करते हुए आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि हम जल्द ही धाम पर संचालित हो रहे वैदिक गुरुकुलम् में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को वेद शिक्षा के साथ-साथ रोबोट से आधुनिक पढ़ाई भी प्रारंभ करेंगे। इस मौके पर वेबसाइट निर्माता कंपनी के प्रतिनिधि शुभम सिंह ने बताया कि इस वेबसाइट के माध्यम से बागेश्वर धाम के सभी परोपकारी संकल्पों,

आगामी कथाओं, देश-विदेश के कार्यक्रमों की सटीक जानकारी फोटो औ वीडियो आम जनमानस तक पहुंच सकेंगे। जनमानस को धाम से जोड़ने के लिए जल्द ही इससे एक कॉल सेंटर को भी जोड़ा जाएगा जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित होगा। गुरुवार को शिविर के समापन अवसर पर बागेश्वर महाराज ने देश भर से आए शिविर प्रतिभागियों को तीन दिवसीय शिविर का प्रमाण पत्र भेंट करते हुए उन्हें आशीर्वाद भी दिया।

छतरपुर में झमाझम बारिश से नदी-नाले उफान पर, पुल पर पानी ने रोका रास्ता; टैक्सी में गर्भवती महिला ने दिया बच्चे को

छतरपुर। जिले में बीते 24 घंटे से हो रही झमाझम बारिश के चलते नदी-नाले

उफान पर हैं। कई स्थानों पर रिपटा और

पुल के ऊपर से पानी बहने के कारण

आवागमन बाधित हो गया है। वहीं

लगातार बारिश के बीच कई जगह कच्चे

मकानों के गिरने के वीडियो भी सामने

आए हैं। मौसम विभाग ने जिले में अमी

और बारिश का अलर्ट जारी किया है।

श्यामरी नदी के पुल पर पानी, अस्पताल

पहुंचने से पहले टैक्सी में प्रसव

बड़ामलहरा जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बमनी में श्यामरी नदी के पुल पर पानी आने के कारण आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। इसी दौरान एक गर्भवती महिला को अस्पताल ले जा रही टैक्सी पुल पर पानी होने के कारण आगे नहीं जा सकी। प्रसव पीड़ा बढ़ने पर महिला ने मजबूरी में टैक्सी के अंदर ही बच्चे को जन्म दिया। भाजपा बड़ामलहरा मंडल मीडिया प्रभारी अनिल शर्मा के अनुसार, ग्रामीण कई वर्षों से श्यामरी नदी के पुल को ऊंचा कराने की मांग कर रहे हैं। इसके लिए विधायक, मंत्री और प्रशासन को कई बार आवेदन दिए जा चुके हैं। समाचार पत्रों के माध्यम से भी इस समस्या को लगातार उठाया गया, लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। बारिश के मौसम में पुल पर पानी आने से बमनी सहित आसपास के गांवों का आवागमन प्रभावित होता है। गर्भवती महिला के साथ हुई इस घटना ने क्षेत्र की स्वास्थ्य एवं आवागमन व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों ने पुल को ऊंचा कराने की मांग फिर उठाई है।



झमटुली समेत कई इलाकों में उफान पर नदी-नाले

लगातार बारिश के चलते जिले के कई नदी-नाले उफान पर हैं। ग्राम झमटुली में भी नाले में पानी बढ़ने से स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। कई स्थानों पर रिपटा के ऊपर से पानी बहने के कारण रास्ते बंद हो गए हैं। प्रशासन द्वारा लोगों से नदी-नालों और जलभराव वाले क्षेत्रों में जाने से बचने की अपील की जा रही है।

वहीं जिले के अलग-अलग हिस्सों से कच्चे मकानों के गिरने की सूचनाएं और वीडियो भी सामने आ रहे हैं। लगातार बारिश के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

बारिश के चलते आज स्कूलों में विद्यार्थियों की छुट्टी -

जिले में लगातार हो रही बारिश और नदी-नालों के उफान

नौगांव में बाइक सवार का खतरनाक स्टंट, वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

सड़क पर स्टंट से राहगीरों की सुरक्षा पर सवाल, पुलिस कार्रवाई का इंतजार

छतरपुर। जिले के नौगांव थाना क्षेत्र में एक बाइक सवार युवक का सड़क पर खतरनाक स्टंट करते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में युवक बाइक को लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए स्टंट करता नजर आ रहा है।



सार्वजनिक सड़क पर इस तरह बाइक से स्टंट करना वाहन चालक के साथ-साथ राहगीरों और अन्य वाहन चालकों के लिए भी गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। अचानक संतुलन बिगड़ने या किसी अन्य वाहन के सामने आने की स्थिति में बड़ा हादसा हो सकता है। वीडियो वायरल होने के बाद सड़क सुरक्षा

और यातायात नियमों के पालन को लेकर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सार्वजनिक सड़कों पर इस तरह स्टंट करने वालों के खिलाफ पुलिस को सख्त कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि ऐसी गतिविधियों पर रोक लगाई जा सके

और संभावित हादसों को टाला जा सके। अब वायरल वीडियो के आधार पर लोगों की नजर नौगांव पुलिस की कार्रवाई पर है। देखना होगा कि पुलिस बाइक सवार की पहचान कर यातायात नियमों के तहत कार्रवाई करती है या नहीं।

को देखते हुए सुरक्षा कारणों से 3 सितंबर 2026 को जिले के स्कूलों में विद्यार्थियों के लिए अवकाश घोषित किया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी छतरपुर द्वारा जारी निर्देश के अनुसार शिक्षक सामान्य रूप से अपने स्कूलों में उपस्थित रहकर आवश्यक कार्य पूर्ण करेंगे।

हालांकि नदी-नालों में उफान, बाढ़ या जलभराव के कारण यदि कोई शिक्षक स्कूल तक नहीं पहुंच पाता है, तो ई-अटेंडेंस के लिए पहले संकुल प्राचार्य द्वारा क्रॉस वॉरिफिकेशन किया जाएगा। इसके बाद विकासखंड शिक्षा अधिकारी द्वारा सत्यापन कर रिपोर्ट की जाएगी। निर्धारित प्रक्रिया के बाद संबंधित शिक्षकों की ई-अटेंडेंस मान्य की जाएगी।

जिले में अब तक 821.8 मिमी औसत बारिश

जिला प्रशासन के वर्षा संबंधी आंकड़ों के अनुसार, 1 जून 2026 से 3 सितंबर 2026 तक जिले में कुल 6574.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। सभी विकासखंडों को मिलाकर जिले में औसत वर्षा 821.8 मिमी यानी 32.4 इंच दर्ज हुई है। इस लिहाज से 3 सितंबर तक जिले में सामान्य वार्षिक वर्षा का करीब 76.5 प्रतिशत पानी बरस चुका है। विकासखंडवार अब तक सबसे अधिक वर्षा गौरिहार में 1098.6 मिमी, बड़ामलहरा में 1009.6 मिमी और लवकुशनगर में 972.0 मिमी दर्ज की गई है।

3 सितंबर को कहां कितनी बारिश

राजनगर में 7.7 इंच बारिश, नौगांव में 3.5 इंच, लवकुशनगर में 3.3 इंच, छतरपुर में 2.6 इंच, बिजावर में 2.2 इंच, बड़ामलहरा में 1.7 इंच, गौरिहार में 1.5 इंच, बक्सवाहा में 0.6 इंच बारिश दर्ज की गई है।

3 सितंबर को जिले में कुल 23 इंच वर्षा दर्ज की गई। लगातार बारिश के कारण नदी-नालों के जलस्तर में वृद्धि हो रही है और कई मार्गों पर पानी भरने से आवागमन प्रभावित हुआ है। मौसम विभाग के आगे भी बारिश के अलर्ट के बीच प्रशासन के सामने जलभराव और ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन सुचारु रखने की चुनौती बनी हुई है।

कलेक्टर का नौगांव दौरा: अस्पताल परिसर में गंदगी फैकने एवं एनआरसी में कम बच्चों की भर्ती पर कलेक्टर ने जताई नाराजगी

कलेक्टर ने नौगांव सिविल अस्पताल का निरीक्षण कर मरीजों से लिया स्वास्थ्य सुविधाओं का फीडबैक

छतरपुर। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के तहत गुरुवार को कलेक्टर मृणाल मीना ने नौगांव क्षेत्र में विभिन्न शासकीय संस्थाओं का निरीक्षण किया। इसी क्रम में उन्होंने सिविल अस्पताल नौगांव पहुंचकर अस्पताल की व्यवस्थाओं और मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ नमः शिवाय अजरजिया, एडीएम विनय द्विवेदी, एसडीएम जोएस पटेल, सीएमएचओ डॉ. आर.पी गुप्ता सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्टर श्री मीना ने अस्पताल के विभिन्न वाइलों का निरीक्षण करते हुए मरीजों से सीधे संवाद किया और उपचार, दवाइयों की उपलब्धता तथा स्वास्थ्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने मरीजों के ट्रीटमेंट चार्ट का भी अवलोकन किया, जिसमें मरीजों को दी जा रही दवाइयों और उपचार की स्थिति की जानकारी देखी।

कलेक्टर ने अस्पताल स्थित न्यूट्रिशन



रिहैबिलिटेशन सेंटर (एनआरसी) का निरीक्षण करते हुए वहां कम बच्चों की संख्या पर सीडीपीओ पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि क्षेत्र में चिन्हित सैम (गंभीर कुपोषित) बच्चों को एनआरसी में भर्ती कराया जाए, ताकि उन्हें बेहतर पोषण एवं आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने एनआरसी की ऑक्स्पुर्सेसी बढ़ाने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने पाया कि एनआरसी में कई बच्चे 3-4 दिन रहने के बाद ही चले जा रहे हैं। इस स्थिति पर उन्होंने संबंधित

अधिकारी से बच्चों को निर्धारित अवधि तक उचित देखभाल एवं उपचार उपलब्ध कराने के पश्चात ही डिस्चार्ज करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने अस्पताल में गर्भवती माताओं की स्वास्थ्य जांच की स्थिति की भी जानकारी ली। उन्होंने चार या उससे अधिक एएनसी (प्रसवपूर्व जांच) चेकअप कराने वाली गर्भवती माताओं के चेकअप की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं की नियमित प्रसवपूर्व जांच सुनिश्चित की जाए, ताकि मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की बेहतर निगरानी हो सके।

कलेक्टर ने अस्पताल के बाहर परिसर में, जहां मरीजों द्वारा कचरा फेंके जाने की स्थिति पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने मेट्रन को परिसर में तत्काल साफ-सफाई कराने के निर्देश दिए। साथ ही अस्पताल आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को परिसर में कचरा नहीं फेंकने के लिए समझाईश देने तथा स्वच्छता बनाए रखने के लिए जागरूक करने को कहा।

शासकीय शिक्षा महाविद्यालय में सामाजिक समरसता और कुटुंब प्रबोधन पर संगोष्ठी, पुस्तक का हुआ विमोचन

छतरपुर।

शासकीय अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय छतरपुर में गुरुवार को सामाजिक समरसता एवं कुटुंब प्रबोधन विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक समरसता को मजबूत करने में परिवार, संस्कार और संवाद की भूमिका पर वक्ताओं ने अपने विचार रखे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन-अर्चन के साथ हुआ। संस्थान की प्राचार्य डॉ. पूर्णिमा मिश्रा, मुख्य अतिथि डॉ. भरत पाठक, करुणेंद्र सिंह, नीरज भार्गव, एडवोकेट राकेश तिवारी सहित अन्य अतिथियों ने पूजन किया। इसके बाद प्रीति व्यास ने सरस्वती वंदना तथा प्रीति व्यास, सुनीता मिश्रा और ममता रिछारिया ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के संयोजक कपिल कुडेरिया ने कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि सामाजिक समरसता के लिए कुटुंब प्रबोधन अत्यंत आवश्यक है और राष्ट्र की उन्नति भी इससे जुड़ी है। उन्होंने कहा कि



आदिकाल से वर्तमान तक सामाजिक समरसता एवं कुटुंब प्रबोधन एक कालजयी विषय रहा है, जो कभी पुराना नहीं होता। छात्राध्यापक अमर सिंह राय ने अपने व्याख्यान में कहा कि सामाजिक समरसता और कुटुंब प्रबोधन

समझाया। उन्होंने सामाजिक समरसता को एक ऐसे 'वायरस' की संज्ञा दी, जिसे पूरे विश्व में फैलाने की आवश्यकता है। उन्होंने नानाजी देशमुख के समरसता संबंधी कार्यों का भी उल्लेख किया। डॉ. पाठक ने कहा कि शिक्षा

महाविद्यालय के आचार्यों की जिम्मेदारी बहुत बड़ी है, क्योंकि वे भावी पीढ़ियों को गढ़ने के साथ उनमें संस्कारों का निर्माण करते हैं। उन्होंने शिक्षा महाविद्यालय को प्रदेश के अग्रणी संस्थानों में बताया।

इस अवसर पर कपिल कुडेरिया की पुस्तक 'कालजयी समरसता की अवधारणा का अतिथियों द्वारा विमोचन किया गया। वहीं नम्रता शुक्ला ने अपनी पुस्तक डॉ. भरत पाठक को भेंट की।

कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय की आचार्य डॉ. वंदना सिंह ने किया। आयोजन में महाविद्यालय के वरिष्ठ आचार्य रघुवंश गुरुदेव की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अंत में प्राचार्य डॉ. पूर्णिमा मिश्रा ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विचारधाराओं के बीच संवाद आवश्यक है। हमारे सभी ग्रंथों में समता, समानता और संस्कारों की ही चर्चा की गई है। कार्यशाला में महाविद्यालय के समस्त आचार्यगण एवं छात्राध्यापक उपस्थित रहे और सामाजिक समरसता तथा कुटुंब प्रबोधन से जुड़े विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की।



स्वास्थ्य विभाग अब भी खामोश, जांच तक सीमित विभाग

मरीज की मौत के बाद भी अस्पताल की व्यवस्थाओं की नहीं हुई पड़ताल

रीवा

नेशनल हॉस्पिटल में लिफ्ट में फंस्कर मरीज सुरेश सेन (53) की मौत को पांच दिन बीत चुके हैं, लेकिन इस पूरे मामले में सबसे ज्यादा सवाल अब स्वास्थ्य विभाग की कार्यणाली पर उठ रहे हैं। मरीज की मौत के बाद अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था, लिफ्ट की तकनीकी स्थिति और अस्पताल में मरीजों की सुरक्षा से जुड़े मामलों की जांच कर कार्रवाई करना स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी थी, लेकिन पांच दिन बाद भी अस्पताल के खिलाफ किसी ठोस कार्रवाई की जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की है, लेकिन अभी तक एफआईआर भी दर्ज नहीं हुई है। ऐसे में सवाल यह है कि जब एक बिजी अस्पताल में मरीज की जान चली गई तो स्वास्थ्य विभाग ने अब तक क्या कार्रवाई की? मामला इसलिए भी गंभीर है क्योंकि अस्पताल में मरीज इलाज के लिए भरोसे के साथ पहुंचता है। यदि अस्पताल परिसर की मूलभूत सुविधा मानी जाने वाली लिफ्ट ही मरीज की मौत का कारण बन जाए तो अस्पताल की पूरी सुरक्षा व्यवस्था की जांच आवश्यक हो जाती है। लेकिन घटना के पांच दिन बाद भी स्वास्थ्य विभाग की ओर से न तो अस्पताल के संचालन संबंधी व्यवस्थाओं पर कोई स्पष्ट कार्रवाई सामने आई है और न ही जिम्मेदारी तय करने की दिशा में कोई ठोस कदम दिखाई दे रहा है। बता दें कि अस्पतालों के संचालन और मरीजों की सुरक्षा से जुड़े मामलों की निगरानी स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी है। ऐसे में किसी अस्पताल में मरीज की मौत होने के बाद विभाग की भूमिका केवल औपचारिक जांच तक सीमित नहीं रह सकती। घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग को तत्काल अस्पताल का निरीक्षण कर यह देखना चाहिए था कि अस्पताल में अग्नि सुरक्षा, आपातकालीन निकास, विद्युत एवं लिफ्ट सुरक्षा, पार्किंग, मरीजों के आवागमन और अन्य आवश्यक मानकों की स्थिति क्या है। लेकिन पांच दिन बाद भी यदि अस्पताल के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आती तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या विभाग किसी बड़ी कार्रवाई से पहले किसी और हदसे का इंतजार कर रहा है।

बिना पार्किंग व्यवस्था के संचालित हो रही है हॉस्पिटल

बता दें नेशनल हॉस्पिटल में फोर व्हीलर वाहनों के लिए किसी प्रकार की कोई भी पार्किंग व्यवस्था की सुविधा नहीं है, दो पहिया वाहनों के लिए एक छोटी सी पार्किंग व्यवस्था है जो अस्पताल के सामने छोटे से हिस्से में है। जिसमें कम मात्रा में गाड़ियां खड़ी होती हैं, जिससे मेन रोड में आवागमन भी प्रभावित होता है, वहीं अस्पताल प्रबंधक द्वारा ब्रिज पुल के नीचे अवैध कब्जा कर चार पहिया वाहनों के लिए अधोषिप्त पार्किंग बनाई गई है जिसमें चार पहिया वाहन खड़े कराए जाते हैं। प्रशासन ने इतनी बड़ी अस्पताल को बिना पार्किंग व्यवस्था के परमिशन कैसे दी यह भी सवाल अब उठना लाजिमी है।

जच्चा-बच्चा की मौत पर डीन को चूड़ियां भेंट करने पहुंचे एनएसयूआई के कार्यकर्ता

रीवा। गांधी मेमोरियल अस्पताल में प्रसूता कल्पना मिश्रा और उनके नवजात बच्चे की मौत का मामला लगातार तुल पकड़ता जा रहा है। पीड़ित परिवार जहां न्याय और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की लेकर अनशन पर बैठा है, वहीं अब छात्र संगठनों ने भी अस्पताल और चिकित्सा महाविद्यालय प्रबंधन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। गुरुवार को एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने श्याम शाह चिकित्सा महाविद्यालय पहुंचकर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ता मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. सुनील अग्रवाल को प्रतीकालक रूप से चूड़ियां भेंट करने की राह दे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें मुख्य द्वार पर रोक दिया। इसके बाद कार्यकर्ता गेट पर धरने पर बैठ गए और जमकर नारेबाजी की।एनएसयूआई जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मेडिकल कॉलेज पहुंचे थे। प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस और प्रशासन का अमला पहले से ही मुख्य द्वार पर तैनात था। जैसे ही कार्यकर्ताओं ने अंदर जाने का प्रयास किया, पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी बहस और धक्का-मुक्की जैसी स्थिति बन गई। डीन को चूड़ियां भेंट करने की थी तैयारीएनएसयूआई कार्यकर्ताओं का कहना था कि प्रसूता और उसके नवजात की मौत जैसी गंभीर घटना के बावजूद जिम्मेदारी तय करने में उच्च स्तर के अधिकारियों की भूमिका स्पष्ट नहीं हुई है। इसी विरोध के प्रतीक के रूप में कार्यकर्ता डीन डॉ. सुनील अग्रवाल को चूड़ियां भेंट करने पहुंचे थे। पुलिस द्वारा मुख्य द्वार पर रोक दिए जाने के बाद कार्यकर्ताओं ने वहीं धरना शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने अस्पताल प्रबंधन और चिकित्सा महाविद्यालय प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए डीन के इस्तीफे की मांग की। छात्रों का आरोप था कि अस्पताल में वरिष्ठ स्तर पर निगरानी और व्यवस्थाओं में गंभीर लापरवाही बरती गई, जिसका खामियाजा एक परिवार को अपनी बेटी और उसके नवजात बच्चे को खोकर भुगतना पड़ा। प्रदर्शन के दौरान युवा कांग्रेस विधानसभा उपाध्यक्ष शिवम मिश्रा **NSUI** जिला उपाध्यक्ष सत्यम शुक्ला,अमन द्विवेदी, रोहितम साकेत **NSUI** विधानसभा अध्यक्ष संस्कार त्रिपाठी,अनूप तिवारी सहित बड़ी संख्या में **NSUI** कार्यकर्ता मौजूद रहे।



छोटे कर्मचारियों पर कार्रवाई पर्याप्त नहीं

एनएसयूआई जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय ने कहा कि कल्पना मिश्रा और उनके नवजात बच्चे की मौत का मामला बेहद गंभीर है। संगठन का आरोप है कि घटना के लिए केवल निचले स्तर के कर्मचारियों पर कार्रवाई करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि घटना के समय अस्पताल की व्यवस्थाओं और निगरानी के लिए जिम्मेदार सभी अधिकारियों की भूमिका की जांच होनी चाहिए। उन्होंने डीन डॉ. सुनील अग्रवाल के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि यदि जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं की गई तो एनएसयूआई अपना आंदोलन और तेज करेगा। उपाध्याय ने यह भी चेतावनी दी कि डीन के इस्तीफे की मांग को लेकर संगठन अनशन शुरू करेगा और आवश्यकता पड़ने पर स्वास्थ्य मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर भी आंदोलन किया जाएगा।

दो डॉक्टर और दो नर्स निलंबित, अधीक्षक भी हटाए गए

मामले में प्रशासनिक स्तर पर पारमिक कार्रवाई भी की जा चुकी है। घटना के बाद दो डॉक्टरों और दो नर्सों को निलंबित किया गया है। इसके साथ ही तत्कालीन अस्पताल अधीक्षक डॉ. राहुल मिश्रा को भी पद से हटाय़ा गया है। हालांकि एनएसयूआई का कहना है कि यह कार्रवाई पर्याप्त नहीं है और घटना की पूरी जिम्मेदारी तय करने के लिए उच्च स्तर पर निष्पक्ष जांच जरूरी है

एनटीपीसी विध्याचल राजभाषा अनुभाषा द्वारा विध्य चिकित्सालय में हिंदी कार्यशाला का किया गया आयोजन

सिंगरौली। एनटीपीसी विंध्याचल राजभाषा अनुभाग द्वारा विंध्य चिकित्सालय में एक दिवसीय राजभाषा हिंदी कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य चिकित्सालय में कार्यरत अधिकारियों, कर्मचारियों एवं एसोसिएट्स में राजभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता बढ़ाना और दैनिक सरकारी कामकाज में हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित करना था। इस कार्यशाला में चिकित्सालय के सभी विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा एसोसिएट्स कमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यशाला के दौरान हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने बड़-चढ़कर हिस्सा



लिया। इस अवसर पर उपस्थित जनों को राजभाषा हिंदी के नियमों, अधिनियमों, कार्यालय ज्ञापनों एवं महत्वपूर्ण तथ्यों से विस्तार से अवगत कराया जाएगा। साथ ही, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा संचालित लीला, कंठस्थ 2.0 एप, हिंदी

प्रबोध, प्रवीण एवं प्राज्ञ परीक्षाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी भी दी गई। इसके अतिरिक्त एनटीपीसी की संशोधित ‘हिंदी प्रोत्साहन योजना’ के नवीन परिपत्र के बारे में भी सभी सभाई को अवगत कराया गया तथा बताया गया कि किस प्रकार हिंदी में अधिकाधिक कार्य करके इस योजना का लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

इस अवसर पर महाप्रबंधक (चिकित्सा सेवाएं) डॉ. भी के भराली ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में सभी उपस्थित जनों से अधिकारिक कार्य करके अपने अपने दैनिक कार्यों में अधिक से अधिक हिंदी का प्रयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि चिकित्सा जैसे मानवीय सेवा क्षेत्र में हिंदी में संवाद रोगियों के

साथ आत्मीयता और विश्वास को और मजबूत करता है। कार्यशाला में सहायक राजभाषा अधिकारी श्री कल्याण सिंह ने मुख्य वक्ता के रूप में महत्वपूर्ण व्याख्यान दिया। उन्होंने राजभाषा नीति, वार्षिक लक्ष्य, ई-टूलस के एवं प्रयोग तथा हिंदी में कार्य करने की सरल विधियों पर प्रकाश डाला। कार्यशाला के अंत में सभी प्रतिभागियों ने हिंदी में कार्य करने की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए संकल्प लिया कि वे अपने दैनिक कार्यालयीन कार्यों में हिंदी का प्रयोग बढ़ाएंगे और राजभाषा के प्रचार-प्रसार में सक्रिय योगदान देंगे। कार्यशाला का कुशल संचालन विंध्य चिकित्सालय के राजभाषा विभागीय प्रतिनिधि श्री अश्विनी कुमार श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

बारिश के बीच कलेक्टर एवं एसपी ने प्रभावित क्षेत्रों का किया निरीक्षण

मऊगंज। कलेक्टर संजय कुमार जैन एवं पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र कुमार जैन ने अधिकारियों के साथ वर्षा प्रभावित गांवों और जलभराव वाले क्षेत्रों का दौरा कर जमीनी स्थिति का जायजा लिया। कलेक्टर ने कहा लगातार हो रही बारिश के कारण नदी-नालों के जलस्तर में लगातार वृद्धि हो रही है।



सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने विभिन्न गांवों में आमजन से संवाद कर वर्षा, जलभराव और स्थानीय समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने, जल

निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा आवश्यकता के अनुसार प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि घबराने की आवश्यकता नहीं है। प्रशासन पूरी

तरह तैयार है। किसी भी आपात स्थिति में प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने तथा राहत एवं बचाव के लिए सभी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं। वर्षा प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासन, पुलिस एवं बचाव दलों द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है। पुलिस अधीक्षक ने पुलिस अधिकारियों को जलमग्न पुल और पुलिया पर आवागमन रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति को अपनी जान खतरे में डालकर गहरे पानी में न जाने दें। होमगार्ड्स और एसडीआरएफ की टीम को सतर्क रखें। आवश्यकता होने पर राहत और बचाव कार्य तत्काल करें। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर ने दो आदतन अपराधियों के विरुद्ध की जिला बदर की कार्रवाई



राजस्व सीमाओं से निष्कासित करने का आदेश पारित किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर की गई है। अपराधिक गतिविधियां निरंतर जारी रखने एवं क्षेत्र में शांति एवं सार्वजनिक सुरक्षा व्यवस्था पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर २ एवं जिला दण्डाधिकारी ने आदतन अपराधियों को 48 घंटे के भीतर मऊगंज जिले की राजस्व सीमाओं तथा समीपवर्ती जिले रीवा एवं सीधी की राजस्वध सीमाओं से एक वर्ष की अवधि के लिए निष्कासित करने का आदेश पारित किया है।

श्रीकृष्ण पर्व में आज होगी श्रीकृष्ण आख्यान की मनोहारी कला-अभिव्यक्तियाँ, भक्ति लोक और कृष्ण-संस्कृति का सजेगा रंगमंच

रीवा। भगवान श्रीकृष्ण के जीवन-दर्शन, लोक आस्था और भारतीय सांस्कृतिक परंपरा को कला के विविध रंगों में प्रस्तुत करने के उद्देश्य से रीवा में श्रीकृष्ण पर्व का आयोजन किया जा रहा है। श्रीकृष्ण पार्थय न्या स, मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन रीवा के सहयोग से यह आयोजन 4 सितम्बर को शाम 7 बजे नगर निगम टाउन हॉल, रीवा में आयोजित होगा। जिसमें संगीत, लोकगायन, नृत्य और भक्ति की भावपूर्ण प्रस्तुतियों से दर्शकों को कृष्णमय कर देगा। संस्कृपति विभाग के संचालक एनपी नामदेव ने बताया कि इस कार्यक्रम में श्रीकृष्ण के जीवन और उनके बहुआयामी व्यक्तित्व को अलग-अलग कला विधाओं के माध्यम से अभिव्यक्त किया जाएगा। कार्यक्रम का आरंभ बधेली लोकगायन की सुमधुर प्रस्तुति से होगा। रीवा की सुश्री कल्याणी मिश्रा एवं साथी अपनी प्रस्तुति के माध्यम से स्थानीय लोकभाषा और लोक संस्कृति में रचे-बसे कृष्ण भाव को स्वर देंगी। इसके पश्चात सुश्री आस्था सिजारिया एवं साथी, कटनी द्वारा श्रीकृष्ण केंद्रित नृत्य नाटिका प्रस्तुत की जाएगी, जिसमें नृत्य और अभिनय के माध्यम से कृष्ण की लीलाओं एवं जीवन-दर्शन की मनोहारी झलक देखने को मिलेगी। कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण भक्ति गायन होगा, जिसमें सुश्री वैशाली रैक्वार एवं साथी, भोपाल भक्तिमय प्रस्तुतियों से वातावरण को आध्यात्मिक रंग से सराबोर करेंगे। कार्यक्रम में प्रवेश निशुल्की रहेगा। उन्होंने बताया कि ‘श्रीकृष्ण पर्व’ केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि लोक परंपरा, भक्ति और भारतीय जीवन-दर्शन से जुड़ने का अवसर है। श्रीकृष्ण का चरित्र भारतीय संस्कृति में प्रेम, करुणा, कर्म, लोकमंगल और जीवन के उत्सव का प्रतीक रहा है। यही भाव इस आयोजन की विभिन्न प्रस्तुतियों में देखने को मिलेगा।

आवेदनों का निराकरण समय सीमा में नहीं करने पर 6 अधिकारियों पर लगा जुर्माना

रीवा । लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत दर्ज आवेदन पत्रों को समय सीमा में निराकृत नहीं करने पर 6 अधिकारियों पर जुर्माने की कार्रवाई की गई है। कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी द्वारा जारी अलग-अलग आदेशों के अनुसार लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत एमपी ई डिस्ट्रिक्ट पोर्टल पर लंबित आवेदन पत्रों को समय सीमा में निराकरण के निर्देश दिए गए थे। निर्देशों के बाद भी आवेदन पत्रों का निर्धारित समय सीमा में निराकरण नहीं किया गया। जिस पर कलेक्टर ने 6 अधिकारियों के विरुद्ध निर्धारित प्रावधानों के अनुसार जुर्माने की कार्रवाई की है। कलेक्टर ने नायब तहसीलदार सिरमौर वृत्त बंकुण्डपुर तेजपति सिंह, नायब तहसीलदार मनगवां वृत्त गढ़ अजय मिश्रा तथा नायब तहसीलदार हजूर वृत्त नौबस्ता राजीव शुक्ला पर द्वाई-द्वाई सौ रुपए का जुर्माना लगाया है। इसी प्रकार मुख्य नगर पालिका अधिकारी सिरमौर नेहा शर्मा और तहसीलदार हजुर वृत्त गोविंदगढ़ श्रीमती चंदन तिवारी पर पाँच-पाँच सौ रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

गुढ़ भीषण बस हादसा, पांच मौत, 20 घायल; कई की हालत गंभीर

घर लौटने का इंतजार करते रहे परिजन, सुबह अस्पताल पहुंचे तो लाशों के बीच मिली अपनों की पहचान

रीवा। जिले के गुढ़ थाना क्षेत्र के बदवार में हुए भीषण सड़क हादसे ने कई परिवारों की खुशियां छीन लीं। हादसे के बाद देर रात तक कई मृतकों की पहचान नहीं हो सकी थी। इधर उनके परिजन घरों में अपनों के लौटने का इंतजार करते रहे। जब देर रात तक वे घर नहीं पहुंचे और मोबाइल बंद मिलने लगे तो परिजनों ने तलाश शुरू की। अस्पताल और घटनास्थल पर पहुंचने के बाद जब शवों के बीच अपनों की पहचान हुई तो परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।हादसे में अब तक पांच यात्रियों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 20 से अधिक यात्री घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को तत्काल उपचार के लिए रीवा के संजय गांधी स्मृति चिकित्सालय में

घर में इंतजार, अस्पताल में मिली मौत की खबर

हादसे की सबसे दर्दनाक तस्वीर उन परिवारों के सामने आई, जिनके सदस्य रोजमर्रा की तरह बस से अपने काम या इलाज के सिलसिले में निकले थे। परिजनों को उम्मीद थी कि वे शमन तक वापस घर लौट आएंगे, लेकिन जब रात तक कोई खबर नहीं मिली तो चिंता बढ़ने लगी। मोबाइल फोन बंद मिलने और किसी तरह की जानकारी नहीं मिलने पर परिजन अस्पताल और घटनास्थल की ओर रवाना हुए। अस्पताल पहुंचने के बाद उन्होंने घायलों के बीच अपने लोगों को तलाशना शुरू किया। कुछ परिवारों को राहत मिली कि उनके अपने घायल हैं, लेकिन कई परिवारों को शवों के बीच अपनों की पहचान करनी पड़ी। पुलिस और प्रशासन की ओर से मृतकों की पहचान कराने के प्रयास लगातार किए जा रहे थे। इसी दौरान एक-एक कर परिजन अस्पताल पहुंचे और मृतकों की पहचान होती गई।

पांच मृतकों की हुई पहचान

पुलिस एवं उपलब्ध जानकारी के अनुसार हादसे में मृत पांच यात्रियों की पहचान हो चुकी है।राजगोपिण कोल, पिता विवेकनाथ कोल, निवासी गाम इटार पहाड़, तहसील गुढ़, जिला रीवा।रक्षा सिंह पटेल, निवासी गाम पचोखर, जिला सीधी।नवीन कुमार दुबे,

मर्ती कराया गया है। इनमें कई की हालत गंभीर बनी हुई है। अस्पताल में डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ की टीम घायलों के उपचार में जुटी हुई है। गौरतलब है कि गुढ़ थाना क्षेत्र के बदवार में यात्री बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने गहरे गड्ढे में जा गिरी। टक्कर झटकी जोरदार थी कि बस में सवार यात्रियों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। बस के अंदर कई यात्री फंस गए, जबकि कुछ लोग गंभीर रूप से घायल होकर इधर-उधर पड़े थे। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग, पुलिस और प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। घायलों



पिता कमलाराम दुबे, उम्र 27 वर्ष, निवासी गाम केकराई, थाना गड़वा, जिला सिंगरौली। प्रिया मिश्रा, पिता महेंद्र मिश्रा, उम्र 17 वर्ष, निवासी हिनौती, थाना अमिलिया, जिला सीधी।अमरेशी रावत, निवासी चुरहट क्षेत्र, जिला सीधी। इनमें रक्षा सिंह पटेल की पहचान पहले ही हो चुकी थी, जबकि अन्य मृतकों की पहचान परिजनों के अस्पताल पहुंचने के बाद हुई।

चुरहट के एक परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

हादसे में चुरहट के एक परिवार पर एक साथ दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। डॉ. अरविंद पटेल की बहु रक्षा पटेल अपनी छोटी बहन शिवानी पटेल और सास गौता पटेल के साथ उपाचार के लिए रीवा आई थीं। हादसे में रक्षा पटेल की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

को बस के मलबे से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। अंधेरा होने के बावजूद रेस्क्यू टीम ने काफी देर तक अभियान चलाया।



वहीं गौता पटेल की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया है। शिवानी पटेल का भी गंभीर हालत में उपचार चल रहा है। एक ही परिवार के तीन सदस्यों के हादसे की चपेट में आने से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। अस्पताल परिसर में परिजन अपनों की सलामती के लिए प्रार्थना कर रहे नजर आए।

बच्चे मेरी गोद में सो रहे थे, अचानक बस खाई में जा गिरी

हादसे में घायल जेकुर्ननिशा, निवासी हटवा बरहा टोला, गुढ़, ने बताया कि वह अपने दो छोटे बच्चों का इलाज कराने वद्वान अस्पताल में ली गई थीं। बस में बैठने के बाद दोनों बच्चे उनकी गोद में सो गए थे। इसी दौरान अचानक तेज झटका लगा और बस सड़क से नीचे जा गिरी।उन्होंने बताया कि हादसे के बाद उनकी बच्ची दूर जा छिंटनी। बस की छिड़की के पास मौजूद एक युवक ने उनका हाथ पकड़कर उन्हें बाहर निकालने में मदद की। बस से बाहर निकलने के बाद जो दृश्य सामने था, उसे देखकर वे सहम गयीं। चारों तरफ घायल यात्री पड़े थे और कई लोग दर्द से कराह रहे थे।

रीवा CMHO कार्यालय में रिश्तवर का आरोप: 6 लाख के एरियर के लिए मांगे 5 हजार!

थापना शाखा के ‘तिवारी बाबू’ पर कर्मचारी से कथित रिश्त लेने के गंभीर आरोप, मामले की निष्पक्ष जांच की मां

रीवा। सरकार पारदर्शिता और भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था के कितने भी दावे करे, लेकिन सरकारकी दफ्तरो में बैठे कुछ कर्मचारियों पर निम्नो की ताक पर रखकर काम करने के आरोप लगातार सामने आते रहते हैं। ऐसा ही एक मामला सोमवार को रीवा के **CMHO** कार्यालय की स्थापना शाखा से सामने आया है, जहां एक कर्मचारी के करीब 6 लाख रुपये के एरियर से जुड़े काम को लेकर कथित तौर पर 5 हजार रुपये की रिश्त लिए जाने का आरोप है।बताया जा रहा है कि एरियर निकलवाने के सिलसिले में कार्यालय पहुंचे कर्मचारियों ने स्थापना शाखा में कार्यरत तिवारी बाबू को कथित तौर पर 500-500 रुपये के 10 नोट, यानी कुल 5 हजार रुपये दिए। आरोप है कि रकम लेने के दौरान संबंधित कर्मचारी ने यह भी स्पष्ट रूप से कहा कि ‘यह 5 हजार रुपये हैं!’ आरोप है कि इसके बाद स्थापना शाखा का काम देख रहे तिवारी बाबू ने भरोसा दिलाया कि कर्मचारी का करीब 6 लाख रुपये का एरियर निकलवा दिया जाएगा।मामला सामने आने के बाद अब सवाल उठ रहे हैं कि यदि किसी कर्मचारी के वेश एरियर के भुगतान के लिए भी कथित तौर पर पैसे देने पड़ रहे हैं, तो फिर शासन को पारदर्शी व्यवस्था और भ्रष्टाचार के खिलाफ किए जा रहे हैं।